भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

**लोक सभा**

**आतारांकित प्रश्न सं. 2232**

जिसका उत्तर 12.02.2026 को दिया जाना है

**भारतमाला परियोजना के तहत सड़कों का निर्माण**

2232. श्री थरानिवेंथन एम. एस.:

श्री बापी हलदर:

श्री हनुमान बेनीवाल:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतमाला परियोजना के अंतर्गत अब तक स्वीकृत एवं पूर्ण की गई परियोजनाओं की कुल संख्या कितनी है तथा उनकी लंबाई (किलोमीटर में) और अब तक किए गए बजटीय व्यय का राज्य-वार ब्यौरा क्या है और विशेषकर तमिलनाडु सहित अब तक आवंटित किए जाने वाली शेष परियोजनाओं की लंबाई कितनी है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारतमाला परियोजना के अंतर्गत निर्मित अथवा उन्नत की गई सड़कों की कुल लंबाई कितनी है तथा उनसे संबंधित अनुमानित लागत एवं निर्धारित समय-सीमा का विवरण क्या है;

(ग) क्या सरकार ने भारतमाला परियोजना के माल परिवहन दक्षता, क्षेत्रीय संपर्क तथा स्थानीय आर्थिक विकास पर पड़े प्रभाव का कोई आकलन किया है;

(घ) लंबित परियोजनाओं के समयबद्ध पूर्णन तथा भूमि अधिग्रहण या पर्यावरणीय स्वीकृतियों से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु सरकार द्वारा कौन-से कदम उठाए गए हैं;

(ङ) उक्त योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण के लिए निर्धारित लक्ष्य क्या हैं तथा उन लक्ष्यों के सापेक्ष अब तक प्राप्त भौतिक प्रगति का विवरण क्या है;

(च) क्या सरकार अब तक भारतमाला परियोजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों के मुकाबले अपेक्षित सड़क लंबाई का निर्माण करने में असमर्थ रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, जिसमें इसके कारण भी शामिल हों; और

(छ) भारतमाला परियोजनाओं से स्थानीय रोजगार, छोटे ठेकेदारों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों एमएसएमई को लाभ सुनिश्चित करने हेतु कौन-से उपाय अपनाए गए हैं?

**उत्तर**

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ख) भारतमाला परियोजना चरण-1 को सरकार द्वारा 2017 में देश भर में 34,800 किलोमीटर की लंबाई को कवर करने के लिए 5,35,000 करोड़ रुपये के अनुमानित परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत, कुल 26,425 किलोमीटर की लंबाई वाली परियोजनाओं को

आवंटित किया गया था और इसमें से दिसंबर 2025 तक 21,783 किलोमीटर का निर्माण पहले ही हो चुका है। राज्यवार विवरण संलग्न हैं।

भारतमाला परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत परियोजनाओं की नई स्वीकृति बंद कर दी गई है। एनएचएआई द्वारा भारतमाला परियोजना के प्रथम चरण पर 31 जनवरी 2026 तक किया गया व्यय 5,30,758.24 करोड़ रुपये है।

(ग) भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), बैंगलोर द्वारा भारतमाला परियोजना के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए किए गए अध्ययन से कई क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव दिखाई देते हैं। आर्थिक रूप से, घरेलू आय और व्यय में वृद्धि हुई है। लागत में कमी के साथ लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार हुआ है। व्यवसायों को बाजारों और कारखानों तक बेहतर पहुंच से लाभ हुआ है। सामाजिक रूप से, स्कूलों और स्वास्थ्य सुविधाओं तक यात्रा का समय कम हुआ है, जिससे पहुंच में वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर, अध्ययन से पता चलता है कि भारतमाला परियोजना ने सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आईआईएम बैंगलोर द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, भारतमाला परियोजना ने महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक लाभ प्रदर्शित किए हैं।

(घ) से (च) भारतमाला परियोजना चरण 1 के अंतर्गत आवंटित 26,425 किमी लंबाई में से दिसंबर 2025 तक 21,783 किमी का निर्माण हो चुका है। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं में देरी के मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण से संबंधित मुद्दे/अड़चनें, वैधानिक स्वीकृतियों/अनुमतियों को प्राप्त करने में देरी, जन उपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण, अतिक्रमण हटाना, कानून व्यवस्था, निर्माण सामग्री/खनिजों की अनुपलब्धता, ठेकेदार/रियायतग्राही का खराब प्रदर्शन और कोविड-19 महामारी, भारी वर्षा, बाढ़, चक्रवात, भूस्खलन/हिमस्खलन आदि जैसी अप्रत्याशित घटनाएं हैं। परियोजना निष्पादन में तेजी लाने के लिए विभिन्न पहलें की गई हैं। इनमें भूमि राशि पोर्टल के माध्यम से भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और त्वरित बनाना, वन एवं पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों में तेजी लाने के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के माध्यम से परिवेश पोर्टल का पुनर्गठन करना, रेलवे से सड़क के ऊपर बने पुलों (आरओबी) और सड़क के नीचे बने पुलों (आरयूबी) के लिए सामान्य व्यवस्था आरेखण (जीएडी) की ऑनलाइन स्वीकृति सक्षम करना और राज्य सरकारों सहित सभी हितधारकों के साथ विभिन्न स्तरों पर समीक्षा बैठकें आयोजित करना शामिल है। सरकार इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

(छ) परिवहन और लॉजिस्टिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की विभिन्न पहलें स्थानीय ठेकेदारों, स्वदेशी विनिर्माण और अवसंरचना विकास में सहायता करती हैं। यह पहल स्थानीय निर्माण सामग्री, मशीनरी और सेवाओं के उपयोग को सुगम बनाती है, जिससे स्थानीय विनिर्माण प्रणाली मजबूत होती है और मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विचार को बल मिलता है।

**'भारतमला परियोजना के अंतर्गत सड़कों के निर्माण'** के संबंध में श्री थारानीवेंथन एमएस, श्री बापी हलदर और श्री हनुमान बेनीवाल द्वारा दिनांक 12.02.2026 को पूछे गए लोकसभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 2232 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

| **राज्य** | **कुल लंबाई (किमी)** | **आवंटित लंबाई (किमी)** | **31 दिसंबर 2025 तक निर्मित लंबाई (किमी)** |
|---|---|---|---|
| आंध्र प्रदेश | 2,525 | 1,936 | 1,428 |
| असम | 433 | 431 | 411 |
| बिहार | 1,572 | 1,159 | 743 |
| छत्तीसगढ | 571 | 471 | 374 |
| दिल्ली | 203 | 203 | 191 |
| गोवा | 26 | 26 | 26 |
| गुजरात | 1,577 | 1,194 | 1,049 |
| हरियाणा | 1,058 | 1,058 | 992 |
| हिमाचल प्रदेश | 167 | 167 | 116 |
| जम्मू और कश्मीर | 433 | 251 | 164 |
| झारखंड | 1,000 | 801 | 521 |
| कर्नाटक | 2,059 | 1,603 | 1,199 |
| केरल | 1,126 | 708 | 523 |
| मध्य प्रदेश | 3,063 | 2,017 | 1,731 |
| महाराष्ट्र | 3,029 | 2,174 | 1,975 |
| मणिपुर | 635 | 635 | 521 |
| मेघालय | 170 | 170 | 137 |
| मिजोरम | 593 | 593 | 524 |
| नागालैंड | 208 | 208 | 164 |
| ओडिशा | 1,586 | 967 | 941 |
| पंजाब | 1,764 | 1,553 | 822 |
| राजस्थान | 2,503 | 2,360 | 2,260 |
| तमिलनाडु | 2,414 | 1,476 | 1,320 |
| तेलंगाना | 1,719 | 1,026 | 915 |
| त्रिपुरा | 94 | 94 | 69 |
| उत्तर प्रदेश | 3,126 | 2,495 | 2,120 |
| उत्तराखंड | 273 | 264 | 193 |
| पश्चिम बंगाल | 874 | 385 | 356 |
| **कुल** | **34,800** | **26,425** | **21,783** |

*****